सड़कें, मेट्रो, स्कूल-कॉलेज सब बंद, इस्लामाबाद में लॉकडाउन वाला हाल

इस्लामाबाद(ए)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में एक बार फिर आम जनजीवन ठहर सा गया है। सऊदी अरब और तुर्किये के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के दौरे के मद्देनजर शुक्रवार को राजधानी और पड़ोसी शहर रावलपिंडी में स्थानीय अवकाश घोषित किया गया, साथ ही कई प्रमुख सड़कें बंद कर दी गईं और सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी ठप पड़ गईं। ये कदम मक्का समझौते से जुड़ी उच्चस्तरीय बातचीत के लिए विदेशी मेहमानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए हैं, लेकिन इनका सीधा और व्यापक असर आम नागरिकों पर पड़ा है।

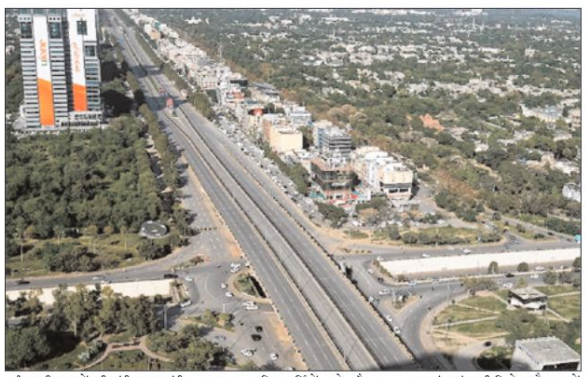

सरकार ने 26 से 28 नवंबर तक विशेष सुरक्षा इंतजाम किए हैं, जिसके तहत रेड जोन के आसपास के प्रमुख रास्ते जैसे सेरेना होटल, नादरा चौक, अयूब चौक और एक्सप्रेस चौक बंद रखे गए। सिर्फ सड़कें ही नहीं, सार्वजनिक परिवहन भी बुरी तरह प्रभावित हुआ। रेवी एवेन्यू से पाक सचिवालय तक मेट्रो और इलेक्ट्रिक बस सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दी गईं। भारी वाहनों की एंट्री पर पाबंदी लगाई गई और फैजाबाद बस टर्मिनल भी बंद रहा। यहां तक कि मार्गल्ला हिल्स के ट्रेल-3 और ट्रेल-5 को भी आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था की कमान सेना ने संभाली है, जिसमें रेंजर्स और लगभग 2,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। यह स्थिति कोई नई नहीं है। इससे पहले ईरान-अमेरिका वार्ता के दौरान भी ऐसी ही अव्यवस्था देखी गई थी। दरअसल, पाकिस्तान खुद को भले ही दुनिया में एक बड़ा खिलाड़ी दिखाना चाहता हो, लेकिन उसका सुरक्षा तंत्र अंदरूनी विद्रोह और हमलों से जूझ रहा है। यही वजह है कि विदेशी मेहमानों की मेजबानी के लिए ऐसे असाधारण सुरक्षा इंतजाम किए जाते हैं कि राजधानी का सामान्य जनजीवन पूरी तरह ठप पड़ जाता है। इसके विपरीत, भारत ने सितंबर 2023 में दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन और हाल ही में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की सफलतापूर्वक मेजबानी की थी। इन आयोजनों में दुनिया के कई बड़े नेता शामिल हुए, लेकिन दिल्ली की आम जनता को कोई खास परेशानी नहीं हुई। रास्ते जरूर कुछ जगहों पर मोड़े गए, लेकिन दुकानें बंद नहीं हुईं और न ही स्कूल-कॉलेजों के लिए कोई विशेष आदेश जारी किए गए। इस्लामाबाद में विदेशी मेहमानों के दौरे के लिए छुट्टी, सड़क बंदी, बस सेवाओं पर रोक और भारी वाहनों की एंट्री बंद करने जैसे कई कदम एक साथ उठाए गए हैं, जिसका सीधा असर नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों, छात्रों और रोजाना सफर करने वाले यात्रियों पर पड़ा है। जानकारों का मानना है कि किसी देश की मेजबानी की क्षमता केवल विदेशी मेहमानों की सुरक्षा देने से नहीं, बल्कि उनके दौरे के दौरान अपने नागरिकों की जिंदगी सामान्य बनाए रखने से भी परखी जाती है। इस पैमाने पर इस्लामाबाद हर बार विफल साबित होता है।

आतंकी हाफिज सईद के साथ तस्वीर पर फंसा पाक अभिनेता

इस्लामाबाद(ए)। पाकिस्तान के एक मशहूर अभिनेता हमजा अली अब्बासी मुंबई आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के साथ अपनी पुरानी तस्वीर के कारण विवादों में घिर गए हैं। यह विवाद उनकी आगामी नेटफ्लिक्स सीरीज जो बचे हैं संग समेट लो की रिलीज से ठीक पहले सामने आया है, जिस पर अब संकट के बादल मंडरा रहे हैं। दरअसल, साल 2017 में हमजा अली अब्बासी ने हाफिज सईद के साथ अपनी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की थी। इस तस्वीर के साथ उन्होंने सईद को बेहद अच्छा और विनम्र इंसान बताया था, साथ ही उसे पाकिस्तान का सबसे गलत समझा जाने वाला व्यक्ति भी करार दिया था। अब उनका यही पुराना बयान लोगों के गुस्से का कारण बन गया है।



हालांकि, भारत में इसकी रिलीज पर सवाल खड़े हो गए हैं। केंद्र सरकार ने मई 2025 में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को पाकिस्तानी मूल की सामग्री उपलब्ध नहीं कराने की सलाह दी थी। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स को भी अपने पुराने आश्वासन और सरकारी निर्देश का पालन करने की याद दिलाई है। अब देखना यह होगा कि क्या नेटफ्लिक्स इस विवाद और सरकारी निर्देशों के बीच अपनी सीरीज को भारत में उपलब्ध कराएगा। फिलहाल, अभिनेता की पुरानी तस्वीर ने मनोरंजन जगत में आतंकवाद के प्रति समर्थन और सार्वजनिक जवाबदेही को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है।

गौरतलब है कि हाफिज सईद लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक और संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी है। वह 26 नवंबर, 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड है, जिसमें 166 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। अभिनेता की पुरानी तस्वीर सामने आने के बाद भारतीय सोशल मीडिया यूजर्स नेटफ्लिक्स को घेर रहे हैं। लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर आतंकवादी की तारीफ करने वाले अभिनेता को इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर क्यों जगह दी जा रही है? कई यूजर्स ने अब्बासी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और अपनी पुरानी टिप्पणी पर सफाई देने की मांग की है। इस विवाद की गूंज सिर्फ भारत में ही नहीं, पाकिस्तान में भी सुनाई दे रही है, जहां एक वकील और लेखक ने भी अभिनेता की आलोचना करते हुए उनसे इस प्रतिबंधित आतंकी की तारीफ का कारण पूछा है। जो बचे हैं संग समेट लो मशहूर पाकिस्तानी लेखिका फरहत इशियाक के लोकप्रिय उपन्यास पर आधारित एक रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें फवाद खान, माहिरा खान, सनम सईद, हानिया आमिर और हमजा अली अब्बासी जैसे कलाकार नजर आएंगे। यह सीरीज 4 दिसंबर को दुनियाभर में रिलीज होने वाली है।

चीन ने एच-6 बमवर्षक विमान का किया प्रदर्शन, 400 किमी तक है मारक क्षमता

बीजिंग,(ए)। चीन ने अपनी वायुसेना के सबसे भरोसेमंद एच-6 रणनीतिक बमवर्षक विमान के जरिए अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। करीब 1050 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से उड़ने और 400 किलोमीटर दूर तक सटीक मिसाइल दागने की क्षमता रखने वाले इस विमान को चीन का विशालकाय 'पुष्पक विमान' कहा जा रहा है। चीन ने जानबूझकर इस विमान को फ्लाइट ट्रैकर्स पर दिखने दिया, ताकि पूरी दुनिया को इसकी रेंज और मारक क्षमता का संदेश दिया जा सके।



मीडिया रिपोर्ट में फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक चीनी एयरफोर्स का ये एच-6 बमवर्षक विमान साउथ चाइना सी में स्कारबोरो शोल और लूजोन द्वीप के बीच उड़ता नजर आया। ट्रैक रिकॉर्ड से पता चला कि ये विमान उत्तर-पश्चिम से आया और सीधे फिलीपींस के तट की तरफ मुड़ गया। इसके बाद उसने आसमान में एक छोटा गोल चक्कर लगाया और वापस अपने रास्ते पर लौट गया। विमान ने ये पूरा मोड़ फिलीपींस की राजधानी मनीला से सिर्फ 170 किलोमीटर दूर लिया था।

रक्षा विशेषज्ञों के बीच इस उड़ान को लेकर बहस छिड़ गई है कि क्या ये सिर्फ एक रूटीन गश्त थी, या फिर हवा से जमीन पर मिसाइल दागने की रिहर्सल। एच-6 बॉम्बर में लगने वाली केडी-63बी मिसाइल करीब 240 किलोमीटर दूर तक सटीक निशाना लगा सकती है। ऐसे में मनीला से 170 किलोमीटर दूर आकर मुड़ने का साफ मतलब है कि जरूरत पड़ने पर ये चीनी विमान बिना किसी दूसरे देश की सीमा में घुसे ही दूर से हमला कर सकता है। चीन ने इसकी तकनीक में कई बदलाव किए हैं, और अब इसके नए मॉडल सिर्फ बम गिराने वाले विमान नहीं रहे, बल्कि आसमान में उड़ते हुए मिसाइल दागने वाले अड्डे बन चुके हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक इस विमान का सबसे आधुनिक और खतरनाक रूप एच-6के वेरिएंट है, जिसे समंदर में दुश्मन के विशालकाय युद्धपोतों और एयरक्राफ्ट कैरियर को तबाह करने के लिए डिजाइन किया गया है। एच-6के बॉम्बर में बाईजे-12 एंटी-शिप क्रूज मिसाइलें लगाई जाती हैं, जिन्हें 2010 के दशक में नौसेना के एयर डिफेंस सिस्टम को भेदने के लिए तैयार किया गया था। ये मिसाइल 400 किलोमीटर दूर तक हमला कर सकती है और इसकी स्पीड आवाज की रफ्तार से तीन गुना यानी करीब 3,700 किलोमीटर प्रति घंटा से भी ज्यादा तेज है। जानकारों के मुताबिक बाईजे-12 की मारक दूरी न सिर्फ पश्चिमी देशों की ऐसी ही मिसाइलों से कहीं ज्यादा है, बल्कि इसे दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम की रेंज से काफी बाहर रहकर ही दागा जा सकता है।

चीन ने इस विमान को अब और भी एडवांस बाईजे-18 मिसाइलों और हाल ही में बेहद तेज रफ्तार वाली बाईजे-21 हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल से भी लैस कर दिया है, जिसे रोक पाना बहुत ही मुश्किल है। साउथ चाइना सी में चीन और फिलीपींस के बीच विवादित छोटे द्वीप लंबे समय से चीन और अमेरिका के टकराव की बड़ी वजह बने हुए हैं। एच-6 बॉम्बर को मनीला के पास भेजकर चीन ने अपनी सैन्य ताकत की सीधी झलक दिखाई है।

ईरान में घरेलू हिंसा का कहरः 14 साल की पत्नी को पति ने पीट-पीटकर मारा

तेहरान (ए)। ईरान में घरेलू हिंसा का भयावह चेहरा सामने आया है, जहां 14 साल की सोगंद मुश्तारेकी को उसके 20 साल के पति ने पीट-पीटकर मार डाला। इस हृदयविदारक घटना में, सोगंद ने 10 दिन पहले ही एक बच्चे को जन्म दिया था। घटना 6 नवंबर को करमान प्रांत में तब हुई जब मायके जाने की बात पर दोनों के बीच विवाद हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, सोगंद की शादी महज 13 साल की उम्र में हुई थी। पति ने हत्या का जुर्म कबूल किया है और इसकी वजह पारिवारिक विवाद को बताया है। सोगंद के पिता ने बताया कि उसका पति उसे मायके वालों से बात नहीं करने देता था और घर में कैद रखता था। सड़क हादसे में घायल होने के बाद बच्चे को जन्म देने के बावजूद वह उससे उबर रही थी। आरोपी पति को गिरफ्तार किया गया है। उसी दुर्भाग्यपूर्ण दिन, ईरान के फार्स प्रांत में 21 साल की सेपिदेह रईसी की भी उसके पति ने गोली मारकर हत्या कर दी। सेपिदेह चार महीने की गर्भवती थी और उसका एक तीन साल का बच्चा भी था। रिपोर्ट के मुताबिक, वह अपने पति से तलाक लेना चाहती थी, जिस बात पर हुए विवाद में पति ने पत्नी को गोली मार दी। इस हमले में सेपिदेह और उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसकी मां घायल हो गईं। सेपिदेह की शादी भी 13 साल की उम्र में हुई थी और वह कई सालों से पति की मारपीट झेल रही थी। ये घटनाएं ईरान में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की भयावह तस्वीर दिखाती हैं। नेशनल काउंसिल ऑफ रेजिस्टेंस की महिला समिति के अनुसार, अक्टूबर 2026 में महिलाओं की हत्या के 24 मामले दर्ज किए गए, जिसमें से ज्यादातर उनके घरों में ही जान-पहचान वाले पुरुषों द्वारा मारे गए। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 21 मार्च से 13 अक्टूबर 2026 के बीच 84 महिलाओं और लड़कियों की हत्या हुई, जिसमें 75 मामलों में आरोपी उनके परिचित थे। इसमें 8 नाबालिग लड़कियों को उनके पिता, भाई या परिवार के अन्य सदस्यों ने मार डाला। मानवाधिकार संगठन ने 2025 में महिलाओं की हत्या के 207 मामले दर्ज किए, जिसमें 31 हत्याएं परिवार की इज्जत के नाम पर की गईं। इसके अतिरिक्त, कम से कम 13 महिलाओं को शादी का प्रस्ताव ठुकराने, 10 को तलाक मांगने और 10 को बाल विवाह के बाद उनके पतियों द्वारा मार डाला गया।

पीसीबी ने महिला क्रिकेटरों को दिये अनुबंध, फातिमा और सादिया को सर्वोच्च ए वर्ग मिला



लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी महिला क्रिकेट टीम के लिए 2026-27 सत्र के लिए केन्द्रीय अनुबंध घोषित कर दिये हैं। कुल आठ महिला क्रिकेटरों को विभिन्न श्रेणियों में शामिल किया गया है। इसमें कप्तान फातिमा सना और अनुभवी स्पिनर सादिया इकबाल को सर्वोच्च ए कैटेगरी में रखा गया है। यह अनुबंध 30 जून, 2027 तक के लिए रहेगा। ये खिलाड़ियों के प्रदर्शन और फिटनेस को देखते हुए निर्धारित किया गया है।तिमा सना को बल्ले और गेंद दोनों से उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है। वह हाल ही में इंग्लैंड की द हंड्रेड और ऑस्ट्रेलिया की विमेंस बिग बैश लीग में खेलने वाली पहली पाकिस्तानी महिला क्रिकेटर बनी थीं। वहीं, बाएं हाथ की स्पिनर सादिया इकबाल ने भी पाकिस्तान के लिए शीर्ष स्तर पर खेला है। सादिया इससे पहले आईसीसी टी20 इंटरनेशनल गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर रही हैं।

वहीं बी वर्ग में मुनीबा अली सिद्दीकी, नशरा संधू और सिदरा अमीन को शामिल किया गया है। इन खिलाड़ियों को खेल के सभी प्रारूपों में उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन और टीम में महत्वपूर्ण योगदान का लाभ मिला है। वर्ग सी में गुल फिरोजा और सदफ शमास की सलामी जोड़ी के साथ अनुभवी खिलाड़ी आयशा जफर को शामिला किया गया है। इन खिलाड़ियों का चयन उनके हाल के घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन के साथ-साथ टीम की भविष्य की जरूरतों और संभावित विकास को ध्यान में रखकर किया गया है। पीसीबी ने एक बयान में कहा कि अनुबंधित श्रेणियां को खिलाड़ियों की हालिया फॉर्म और फिटनेस को ध्यान में रखते हुए तय की गई हैं। बोर्ड ने यह भी कहा कि अनुबंध अवधि में इन खिलाड़ियों को निर्धारित फिटनेस स्तर बनाए रखने होंगे, जिसके लिए नियमित रूप से फिटनेस समीक्षा की जाएगी। पाक महिला टीम ने हाल ही में यूनाइटेड अरब अमीरात के अजमान में आयोजित आईसीसी विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी में भाग लिया था, जहां टीम सुपर सिक्स स्टेज में चौथे स्थान पर रही थी। यह टूर्नामेंट, जिसमें पाकिस्तान ने पहली बार शिरकत की थी, युवा प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अनुभव प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

हीरो एचआईएल मेगा-नीलामी के लिए कार्यक्रम घोषित

नई दिल्ली (ईएमएस)। हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के लिए नीलामी अगले माह 7 दिसंबर में होगी। इसके लिए सभी फ्रेंचाइजी अपनी-अपनी टीमों को अंतिम रुप देने में लगी हैं। एचआईएल ने सभी फ्रैंचाइजी को 29 नवंबर तक का समय दिया है। जिसमें वह अपनी टीम में खिलाड़ियों की अदला-बदली और बरकरार रखने की जानकारी देंगी। हॉकी इंडिया के अनुसार टीमें 29 नवंबर तक अन्य टीमों के साथ अपने संभावित खिलाड़ी लेन-देन के बारे में बतायें। इसके बाद, आधिकारिक ट्रेडिंग विंडो 29 नवंबर को दोपहर 12:00 बजे खुलेगी। यह विंडो टीमों को खिलाड़ियों को खरीदने या बेचने और अपनी टीम संयोजन को अनुकूलित करने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी। यह प्रक्रिया 2 दिसंबर को सुबह 10:00 बजे बंद हो जाएगी, जिसके बाद टीमों को अदला-बदली का कोई मौका नहीं मिलेगा। यह सुनिश्चित करेगा कि सभी लेनदेन समयबद्ध तरीके से पूरे हों।



ट्रेडिंग विंडो बंद होने के तुरंत बाद, सभी फ्रेंचाइजी को 2 दिसंबर को दोपहर 12:00 बजे तक हीरो एचआईएल को उन खिलाड़ियों की सूची सौंपनी होगी जिन्हें वे पूरी तरह से रिलीज कर रहे हैं। इसी समय उन्हें अपनी अंतिम टीम सूची भी जमा करनी होगी। यह कदम यह सुनिश्चित करेगा कि लीग के पास उन सभी खिलाड़ियों का स्पष्ट रिकॉर्ड हो जो नीलामी के लिए उपलब्ध होंगे। उसी दिन, 2 दिसंबर को शाम 5:00 बजे तक, हीरो एचआईएल सभी फ्रेंचाइजी को नीलामी के लिए उपलब्ध खिलाड़ियों की एक संयुक्त सूची भेज देगा। इस सूची में नए खिलाड़ी और साथ ही उन खिलाड़ियों को भी शामिल किया जाएगा जिन्हें विभिन्न फ्रेंचाइजी ने रिलीज किया है।इस विस्तृत संयुक्त सूची के आधार पर, पिछले सीजन की प्रक्रिया का पालन करते हुए, फ्रेंचाइजी के पास 3 दिसंबर को शाम 5:00 बजे तक का समय होगा कि वे उन विशिष्ट खिलाड़ियों की अपनी प्राथमिकता सूची को जमा करें, जिन्हें वे आगामी नीलामी में अपनी टीम में शामिल करने के इच्छुक हैं। यह सुनिश्चित करेगा कि नीलामी में टीमें उन्हीं खिलाड़ियों पर बोली लगाएं जिन्हें वे वास्तव में चाहती हैं।

भारत बनाम न्यूजीलैंड दूसरे टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजी लड़खड़ाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में न्यूजीलैंड और भारत के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन भारतीय टीम की हालत खराब नजर आई। दिन के दूसरे सत्र में न्यूजीलैंड की पहली पारी 356 रनों पर सिमट गई, लेकिन इसके जवाब में भारतीय बल्लेबाजी क्रम पूरी तरह लड़खड़ा गया। महज 104 रन के स्कोर पर आधी भारतीय टीम पवेलियन लौट चुकी थी, जिससे न्यूजीलैंड को एक बड़ी बढ़त मिलने की संभावना है। यह खबर 28 नवंबर, 2026 की है। भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड की पहली पारी में पांच विकेट झटके। हालांकि, उनके इस प्रदर्शन को भारतीय बल्लेबाजों का पर्याप्त साथ नहीं मिल सका। भारत के लिए यशस्वी जायसवाल अपना खाता भी नहीं खोल पाए और शून्य पर आउट हो गए। उनके बाद बल्लेबाजी करने आए केएल राहुल ने 25 रन, देवदत्त पड्डिक्कल ने 21 रन, कप्तान शुभमन गिल ने 17 रन और ऋषभ पंत ने 23 रन बनाकर पवेलियन का रुख किया।

आईपीएल 2027 ऑक्शन में 2 करोड़ बेस प्राइस वाले 29 खिलाड़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 के लिए होने वाले मिनी ऑक्शन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। 16 दिसंबर को गोवा में खिलाड़ियों की नीलामी होगी। इस बार ऑक्शन में 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस वाले खिलाड़ियों की सूची खास चर्चा में है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कुल 29 खिलाड़ियों ने इस बेस प्राइस पर अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स, न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। हैरानी की बात यह है कि इस सूची में सिर्फ दो भारतीय खिलाड़ी हैं। बेन स्टोक्स ने 2025 के मेगा ऑक्शन से अपना नाम वापस ले लिया था। अब उन्होंने आईपीएल 2027 के लिए 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर रजिस्ट्रेशन कराया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर भी इसी कीमत के साथ नीलामी में उतरेंगे। वॉर्नर ने 2025 के मेगा ऑक्शन में भी 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर अपना नाम दिया था, लेकिन तब उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला था। ऐसे में इस बार उन पर फ्रेंचाइजी की नजरें रहेंगी।

इस सूची में शामिल दो भारतीय खिलाड़ियों में तेज गेंदबाज आवेश खान और दीपक चाहर का नाम है। आवेश खान को लखनऊ सुपर जायंट्स ने रिलीज कर दिया है। वह अब तक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स जैसी टीमों का हिस्सा रह चुके हैं। लखनऊ ने 2025 के मेगा ऑक्शन में उन्हें 9.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, पिछले दो सीजन में 20 मैच खेलकर वह 19 विकेट ही हासिल कर सके। पिछले सीजन में सात मुकाबलों में उनके खाते में केवल छह विकेट आए थे। दूसरे भारतीय खिलाड़ी दीपक चाहर हैं, जिन्हें मुंबई इंडियंस ने रिलीज कर दिया है। मुंबई ने 2025 के मेगा ऑक्शन में उन्हें 9.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। उन्होंने 2025 में 14 मैचों में 11 विकेट लिए थे, जबकि पिछले संस्करण में आठ मैच खेलकर आठ विकेट हासिल किए। अब वह दोबारा नीलामी में अपनी किस्मत आजमाएंगे।

आईपीएल 2027 के ऑक्शन में 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस वाले सभी 29 खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार हैं- बेन स्टोक्स, दीपक चाहर, आवेश खान, फजलहक फारूकी, मुजीब उर रहमान, रहमानुल्लाह गुरबाज, डेविड वॉर्नर, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, झाय रिचर्डसन, माहली बियर्डमैन, स्पेंसर जॉनसन, जॉनी बेयरस्टो, सैम बिलिंग्स, सोनी बेकर, टॉम करन, एडम मिल्ने, बेन सीयर्स, बेवॉन जैकब्स, डेरिल मिचेल, डेवोन कॉनवे, रचिन रविंद्र, ट्रेंट बोल्ट, विलियम ओरूर्क, एनरिक नॉर्किया, गेराल्ड कोएट्जी, मथीशा पथिराना, वानिंदु हसरंगा, शाई होप और शिमरोन हेटमायर। अब देखना दिलचस्प होगा कि 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस के साथ उतरने वाले इन खिलाड़ियों में किन पर फ्रेंचाइजी बड़ी बोली लगाती हैं और कौन बिना बिके रह जाता है।

मुद्रक , प्रकाशक, स्वामी धर्मेंद्र सिंह के लिए अग्र भारत प्रिंटिंग प्रेस 59/142ए/1 अजीत नगर से मुद्रित एवं 203 निर्मल हाइट , सेक्टर 12ए सी.आर.यो. आगरा मथुरा रोड आगरा से प्रकाशित संपादक धर्मेंद्र सिंह दूरभाष 0562 2601233 RNI Reg. No: UPHIN/2007/21286
ईमेलः agrabharat0@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के वचन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र आगरा होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों/समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है।